शुभम् भूयात्

अर्हम्
मंगलम् भूयात्

कल्याणम् भूयात्

अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद्
सेवा * संस्कार * संगठन

# पाथेय

वर्ष - 10 अंक 22

विघ्नहरण मंगलकरण, स्वाम भिखु नों नाम।
गुण ओळख समरण कियां, सरै अचिन्त्या काम।।

सितम्बर 2017

अनंत आस्था के केन्द्र महातपस्वी युवामनीषी परमपूज्य आचार्यश्री महाश्रमणजी के चरणों में सादर सभक्ति वंदना। मातृहृदया साध्वीप्रमुखाश्री कनकप्रभाजी, शासन स्तम्भ मंत्री मुनिश्री सुमेरमलजी, मुख्य नियोजिका साध्वीश्री विश्रुतविभाजी, मुख्य मुनिश्री महावीरकुमारजी, साध्ववर्या सम्बुद्धयशाजी के चरणों में सादर वंदना।

परमपूज्य आचार्यप्रवर की कृपादृष्टि से दो वर्ष पूर्व 4 अक्टूबर, 2015 को भारत के मित्र देश नेपाल के विराटनगर में युवासाथियों ने मुझ पर विश्वास कर स्नेह के साथ अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् जैसे युवाओं के महत्त्वपूर्ण व गौरवशाली संगठन के नेतृत्व का गुरूत्तर दायित्व सौंपा, यह मेरे जीवन की अमूल्य धरोहर है। आप सभी के सहयोग और पूज्यप्रवर के आशीर्वाद से इस दायित्व पर खरा उतरने का विनम्र प्रयास किया है।

अभातेयुप ने अपनी शाखाओं के माध्यम से सेवा-संस्कार-संगठन के दायित्वों का परिषद् के कार्यकर्त्ताओं के साथ पूर्ण सजगता से पालन किया है। समाज सेवा के क्षेत्र में युवाशक्ति ने नए कीर्तिमान रचे है। MBDD-Every Day is Blood Donation Day के अंतर्गत 1 जनवरी, 2016 से 31 दिसम्बर, 2016 तक बिना किसी अंतराल के वर्षपर्यंत रक्तदान शिविर का आयोजन पूरे भारतवर्ष में कर तेरापंथ धर्मसंघ का नाम Longest Blood Donation Camp के रूप में विश्व रिकॉर्ड में दर्ज कर गौरव बढ़ाया है। इसी श्रृंखला में अभातेयुप ने अध्यात्म के क्षेत्रों में अपने कदमों को आगे बढ़ाते हुए 1 सितम्बर 2016 को पूरे भारत एवं विदेश में अभिनव सामायिक का कार्यक्रम रखा और एक ही दिन, एक ही समय पर 1,37,212 सामायिक सम्पादित कर तेरापंथ धर्मसंघ का नाम विश्व रिकॉर्ड में दर्ज करवाया।

संगठन में युवाओं ने पुनः प्रेरित होकर 24 अगस्त, 2017 को एक समय, एक साथ, एक मंत्र, एक धुन को लक्षित कर प्रातः 9 से 10 बजे सवा करोड़ नवकार मंत्र का जाप का लक्ष्य बनाया और देश-विदेश में चले इस अभियान ने 2,71,35,720 नवकार मंत्र का जाप कर अप्रत्याशित आंकड़े को प्राप्त कर Golden Book of World Record में तेरापंथ धर्मसंघ का नाम विश्व रिकॉर्ड के रूप में दर्ज करवाया।

जिस उम्र में युवा व्यवसाय एवं परिवार में अपना कदम बढ़ा रहे होते है उसी उम्र में हमारे युवा इन सब क्षेत्रों के साथ अध्यात्म के क्षेत्र

में भी अपने कदम आगे बढ़ा रहे है। इसी के क्रम में सामायिक ग्रुप बनाया गया जिसके माध्यम से 15 से 45 वर्ष के युवकों को सामायिक करने के लिए प्रेरित किया गया और इसमें 2,000 युवाओं ने अपना रजिस्ट्रेशन करवाया तथा अभातेयुप द्वारा इन सभी को अच्छी गुणवता वाली सामायिक किट कोरियर द्वारा प्रेषित की गई।

सेवा व संस्कार के गुणों से ओत:प्रोत हमारे युवा साथी हमारी संघीय गोचरी के विधान को समझे और साथ ही चारित्रात्माओं की सेवा, उपासना का लाभ लेकर अपने आत्मोत्थान की तरफ अग्रसर होते रहे। इस हेतु केन्द्र में चौका सत्कार उपक्रम निरन्तर रखा गया जिसमें देश-विदेश से समागत हजारों युवासाथियों ने लाभ लिया।

इसके साथ ही युवावाहिनी को नए रूप में समायोजित किया गया। विशेष परिधान के साथ युवासाथियों ने गुरूदेव एवं चारित्रात्माओं के रास्ते की सेवा व अहिंसा यात्रा के उद्देश्यों- सद्भावना, नैतिकता, नशामुक्ति को प्रसारित करने में अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई और अनेकों क्षेत्रों के युवाओं ने इसमें सहभागिता दर्ज की।

आज हमारे समाज की युवापीढ़ी उच्च शिक्षा के लिए बड़े शहरों में जाने हेतु आतुर रहती है लेकिन अभिभावकों की चिन्ता उनके खान-पान, रहन-सहन व स्वच्छ, स्वस्थ वातावरण की रहती है। इन्हीं बातों को ध्यान में रखकर आचार्य तुलसी जैन हॉस्टल खोलने का संकल्प लिया गया और इसकी क्रियान्विति स्वरूप प्रथम हॉस्टल का प्रतिष्ठापन समारोह फूलों की नगरी, बैंगलोर में दिनांक 3 सितम्बर 2017 को किया गया है।

भारत सरकार द्वारा 8 नवम्बर, 2016 को Demonetisation (नोटबंदी) करने के पश्चात अभातेयुप ने शाखा परिषदों के माध्यम से एक विशेष कार्यक्रम 'परिवर्तन' देश भर में आयोजित किया। जिसमें रैलियों व कार्यशालाओं के माध्यम से Cashless-Stressless का मंत्र देकर मानसिक शांति एवं चिंतामुक्त जीवन जीने के लिए प्रामाणिक बनने पर बल दिया गया। अभातेयुप के इस प्रयास की धर्मसंघ के साथ राजनेताओं, वरिष्ठ जनमानस ने भूरि-भूरि प्रशंसा की।

परमपूज्य गुरूदेव के दीक्षा दिवस को अभातेयुप युवा दिवस के रूप में मनाता आ रहा है। इस अवसर पर देशभर में जीवन रक्षा-संघ सुरक्षा कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें 2.50 लाख रूपये प्रति ऑटोरिक्शा चालक का नि:शुल्क आकस्मिक दुर्घटना बीमा करवाकर तेरापंथ समाज की व्यापक सोच का परिचय दिया और ऑटोरिक्शों पर पूज्यप्रवर के नशामुक्ति संदेश के स्टीकर चिपकाकर देशभर में नशामुक्ति के आह्वान को प्रचारित-प्रसारित किया।

अभातेयुप संगीत के क्षेत्र में देशभर में छिपी संगीत की प्रतिभाओं को खोजने, निखारने के लिए 'सरगम' प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विभिन्न Rounds से होते हुए Grand Finale मुम्बई के षणमुखानन्द ऑडीटोरियम में रखा गया जिसमें 13 Finalist ने अपनी आवाज का जादू बिखेर कर अपनी पहचान कायम की।

हमारे युवा साथी साहस व हिम्मत के साथ हर परिस्थितियों को स्वीकार करने में भी पीछे नहीं है। अभातेयुप ने युवाओं के इसी दमखम को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार के Defence Ministry के अंतर्गत National Disaster Response Force (NDRF) के साथ अनुबंध किया। इसके तहत प्रथम चरण में युवा साथियों को प्रशिक्षण देकर Passing Certificate प्रदान किया गया और ये प्रशिक्षित युवा धर्मसंघ के साथ देशभर में आई आपदा एवं विपदा के समय भी तत्पर रहते हैं।

आज के किशोर तेरापंथ धर्मसंघ के भविष्य है। इसी को ध्यान में रखते हुए तेरापंथ युवक परिषद् के अंतर्गत किशोर मंडलों के माध्यम से किशोरों में सर्वांगीण विकास एवं संस्कार निर्माण का कार्य किया जा रहा है। पूरे कार्यकाल में One Nation One Mission (ONOM) के माध्यम से प्रतिमाह सामाजिक एवं आध्यात्मिक क्षेत्र में कार्यक्रम आयोजित किए गए जिसमें हजारों किशोरों ने भाग लिया। किशोर

मंडल के अधिवेशन के साथ-साथ प्रतिभा खोज प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया।

इसी शृंखला में स्वास्थ्य जांच शिविर, पर्यावरण दिवस पर व्यापक वृक्षारोपण एवं जागरूकता सेमिनार तथा समय-समय पर विभिन्न समाज हितकारी कार्यक्रमों का आयोजन कर सेवा के क्षेत्र में परिषद ने महत्वपूर्ण कदम बढ़ाए है। होमियोपैथिक चिकित्सालय, पुस्तकालय, प्रेक्षा केन्द्र, आदि स्थायी प्रवृत्तियों का संचालन शाखा परिषदों के द्वारा किया जा रहा है। स्थाई उपक्रमों में ATDC आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेन्टर्स का कुशलतापूर्वक संचालन करते हुए 25 नए डायग्नोस्टिक सेन्टर खोले गए है। जो जनकल्याण एवं मानव सेवा को समर्पित जनोपयोगी साबित हो रहे हैं।

मंत्र दीक्षा कार्यक्रम, ज्ञानशाला संचालन एवं सहभागिता, उपासक श्रेणी से जुड़ाव, जैन विद्या परिक्षाओं की व्यवस्था का संचालन व सहभागिता, नशामुक्ति कार्यक्रम, बारहव्रत प्रचार-प्रसार एवं कार्यशालाओं का आयोजन आदि संस्कार निर्माण के उद्देश्यों की प्राप्ति की दिशा में परिषद् सक्रियता के साथ गतिशील है। अमोल बोल पच्चीस बोल की प्रतियोगिता अभातेयुप के तत्त्वावधान में तेयुप गंगाशहर द्वारा पूरे भारत में आयोजित की गई जिसमें पूरे भारत से 15-45 वर्ष के 3,303 युवकों व किशोरों ने भाग लिया। जिसमें प्रथम 100 को चयनित करके Final Round गंगाशहर में आयोजित किया गया। संघीय संस्कारों को पुष्ट बनने के उद्देश्य से प्रेरणा-प्रोत्साहन एवं संस्कारकों की उपलब्धता करवाकर जैन संस्कार विधि का नियमित प्रचार-प्रसार किया जा रहा है।

देशभर में व्यक्तित्व विकास कार्यशालाएं आयोजित कर वक्ताओं की विशेष व्यवस्था अभातेयुप द्वारा की गई। 36 कार्यशालाओं के माध्यम से 282 परिषदों के 18,000 से अधिक रिकॉर्ड सदस्यों ने भाग लेकर अपने व्यक्तित्व को मुखर करने का प्रयास किया।

परिषद् के महत्त्वपूर्ण प्रकाशन है-संघीय समाचारों का साप्ताहिक मुखपत्र अखिल भारतीय तेरापंथ टाइम्स एवं मासिक पत्रिका युवादृष्टि। तेरापंथ टाइम्स प्रत्येक तेरापंथी परिवार को नि:शुल्क पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया एवं इसी क्रम में संख्या 5,700 से बढ़कर लगभग 24,000 तक पहुंच गई है और निरंतर प्रयास जारी है। Online Link के माध्यम से भी शेष परिवारों को जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

युवादृष्टि को और अधिक रूचिकर बनाने का प्रयास किया जा रहा है। इसका विशेषांक 'कला' का लोकार्पण पूज्यप्रवर की सन्निधि में किया गया। पाठकों की संख्या बढ़ाने का प्रयास जारी है और संख्या लगभग 10,000 तक हो गई है और निरंतर प्रयास जारी है। पत्र-पत्रिकाओं के सम्पादक मंडल की लगन, निष्ठा एवं कौशल हेतु साधुवाद व मंगलकामना।

अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् के नए भवन युवा संगम का निर्माण कार्य पूर्ण होने के साथ ही उपयोगिता पूर्व संचालन में आ चुका है। युवा संगम Well Furnished किया गया है एवं सभी बकाया चुकता किए गए हैं।

अभातेयुप प्रिंट मीडिया के साथ सोश्यल मीडिया JTN (जैन तेरापंथ न्यूज) के माध्यम से भी संघीय सूचनाओं व समाचारों को लगभग 244 JTN प्रतिनिधियों के माध्यम से संकलित व प्रसारित करने का एक महत्त्वपूर्ण कार्य कर रहा है और इस दिशा में नित नए उपयोगी प्रयोग किए जा रहे हैं। JTN की न्यूज को संकलित कर pdf file के माध्यम से पाठकों को संप्रेषित किया जा रहा है।

अभातेयुप के हर प्रकल्प में समाज के उदार दानदाताओं का सहयोग निरंतर रहता है। अभातेयुप ने इस क्रम में समाज के हर पंक्ति के व्यक्ति का सहयोग लेकर उसे गौरवान्वित करने का प्रयास किया है। योगक्षेम योजना के माध्यम से समाज के भामाशाहों को अभातेयुप में योगदान हेतु प्रेरित किया गया और इसी तरह जन-जन के विर्सजन हेतु अभ्युदय योजना की शुरूआत की गई जो ECS के द्वारा कार्य कर रही है। इस हेतु रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया से अनुमति लेकर HDFC Bank के साथ Agreement किया गया और

इसी के साथ आर्थिक रूप से अभातेयुप को और ज्यादा मजबूती प्रदान की गई।

तेयुप आचार्य श्री तुलसी की कल्पनाओं का साकार संगठन है। आचार्य तुलसी के हाथों पल्लवित, पुष्पित, आचार्य श्री महाप्रज्ञजी के वात्सल्य से अभिसिंचित और वर्तमान आचार्य श्री महाश्रमणजी के आध्यात्मिक स्नेहशील निर्देशन में गतिशील यह संगठन सेवा के मधुर फल, संस्कार की सौरभ और संगठन के स्नेहिल सहयोग पर खरा उतरते हुए आसमां की अंनत ऊँचाइयों की ओर अपने सफल कदमों के साथ अग्रसर है। परिषद् द्वारा जो भी कार्य संपादित हुए है व हो रहे हैं वह पूज्यप्रवर के मंगल आशीर्वाद का ही सुपरिणाम है।

श्रद्धेया साध्वीप्रमुखाश्रीजी, श्रद्धेय मंत्री मुनिश्रीजी, श्रद्धेया मुख्य नियोजिकाजी, मुख्यमुनिजी, साध्वीवर्याजी, आध्यात्मिक पर्यवेक्षक मुनि योगेशकुमारजी एवं समस्त चारित्रात्माओं व समणश्रेणी द्वारा मार्गदर्शन हेतु कृतज्ञता और विशेष कृतज्ञता ज्ञापित करता हूँ मुनि दिनेशकुमारजी के प्रति, जिन्होंने मुझे सदैव सक्रियता से कार्य करने हेतु प्रेरित-प्रोत्साहित किया।

समस्त केन्द्रीय संस्थाओं, स्थानीय सभा-संस्थाओं के पदाधिकारियों, सदस्यों द्वारा प्राप्त मार्गदर्शन एवं सहयोग हेतु हार्दिक आभार।

विशेष आभार ज्ञापित करना चाहता हूँ महामंत्री श्री विमल कटारिया का, जिन्होंने सक्रियता के साथ, निष्ठा के साथ अपने दायित्वों को बखूबी निभाया। उपाध्यक्ष श्री राजेश जम्मड़, श्री मुकेश गुगलिया, सहमंत्री श्री पंकज डागा, श्री सुभाष सिंघी, कोषाध्यक्ष श्री नवीन वागरेचा, संगठन मंत्री श्री योगेश चौधरी ने अपने-अपने दायित्व का निर्वाह बहुत ही अच्छे ढ़ंग से किया। अभातेयुप की विभिन्न गतिविधियों के प्रभारीगण, कार्यसमिति सदस्यों, क्षेत्रीय सहयोगियों, समिति सदस्यों का सहयोग हमे निरंतर मिलता रहा। परामर्शकों, पंचमंडल सदस्यों, प्रबुद्ध विचारकों, सलाहकारों का मार्गदर्शन सतत् मिला, इसके प्रति हार्दिक आभार।

इन दो वर्षों के दौरान सम्पूर्ण देश-विदेश की युवाशक्ति से मिलना हुआ। उनके द्वारा मिले आत्मिक स्नेह, वात्सल्य से मैं गद्गद् हूँ। युवाशक्ति में संघ, संघपति व संगठन के प्रति जबरदस्त उत्साह, जोश, समर्पण व वात्सल्य है जो एक बहुत गौरव की बात है।

केन्द्रीय कार्यालय, प्रशासनिक कार्यालय व चल कार्यालय में हमारे सहयोगी श्री राजू हिरावत, श्री दिनेश शर्मा, श्री भारती आचार्य, श्री बच्छराज दूगड़ व श्री रजत सिंघी आदि के द्वारा विभिन्न आयामों के संचालन में मिले सहयोग हेतु बहुत-बहुत आभार, साधुवाद।

मैं अपना परम सौभाग्य मानता हूँ कि मुझे अभातेयुप जैसी सशक्त, प्रगतिशील संस्था का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने का अवसर प्राप्त हुआ और हमारा सौभाग्य है कि हमारे अभातेयुप के राष्ट्रीय संयोजकों, अध्यक्षों की समृद्धशाली परम्परा रही है। उन्हीं के श्रम, चिंतन एवं कर्मशीलता ने अभातेयुप को नये-नये आयाम प्रदान कर इसे गौरवशाली संस्था बनाया है। एक से एक उतरोत्तर राष्ट्रीय अध्यक्षों ने नई लकीरे खींचकर अपना महत्त्वपूर्ण योगदान दिया है।

मुझे आशा व पूर्ण विश्वास है कि नव नेतृत्व अभातेयुप व इसके आयामों को ऐतिहासिक ऊँचाइयाँ प्रदान करेगा। नव नेतृत्व के प्रति मंगलकामना। अभातेयुप के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में देशभर के युवा साथियों के साथ बिताये गए पल मेरे जीवन की अमूल्य निधि है, जिनकी स्मृतियां जीवनपर्यंत मेरे मानस पटल पर जीवन्त रहेगी। एक बार पुनः सभी को बहुत साधुवाद व सभी के प्रति मंगलकामना व सरल हृदय से खमतखामना।

आपका अपना

**बी. सी. जैन (भलावत)**

# संस्मरण

गुरुदेव की विशेष अनुकम्पा व अध्यक्ष श्री बी. सी. भलावत के अपार स्नेह से अभातेयुप से पदधिकारी के रूप में जुड़ने का एक स्वर्णिम अवसर मिला। ये अवसर मेरे जीवन का सर्वोत्तम एवं सुखद अवसर रहा। बी.सी.जी जैसे चिंतनशील, कर्मशील, धैर्यवान व कोमल व्यक्तित्व ने मेरे व्यवहार व कार्यशैली को नया मोड़ दिया। आपने जिस स्नेह व वात्सल्य के साथ हम सब को जोड़े रखा ये आपकी अनूठी योग्यता व सुझबुझ युक्त कार्यशैली की वजह से ही संभव हो पाया। इस दौरान मुनिश्री दिनेशकुमारजी व मुनिश्री योगेशकुमारजी की विशेष कृपा मेरे पर बनी रही ये भी जीवन का एक सुखद अनुभव रहा। महामंत्री श्री विमल कटारिया के साथ साथ रहने और उनकी कार्यशैली को नजदीक से देखना का मौका मिला और धन्य हूँ कि उनसे बहुत कुछ सीखने को मिला। भाई मुकेशजी, पंकजजी, सुभाषजी, नवीनजी व योगेशजी से इतने करीब से मिलना व कार्य करना अपने आप में सौभाग्य का विषय रहा। इन दो सालों में सभी पदाधिकारियों से विशेषकर बी.सी.जी एवं विमलजी से अनेक ऐसी चीजें सीखी जो कि मेरे भावी जीवन में निरंतर काम आएगी। ये दो वर्ष कैसे बीत गये पता ही नहीं चला, लेकिन इस बात की आत्मसन्तुष्टि है कि यह समय खंड मेरे जीवन का सर्वोत्तम यादगार व विशेष पल रहा।

गुरुदेव के प्रति अनंत कृतज्ञता, सभी चारित्रात्माओं के प्रति कृतज्ञता। भविष्य में भी सभी साथियों का प्यार व स्नेह इसी तरह बना रहे यही मंगल कामना।

राजेश जमड़, उपाध्यक्ष-।

अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् युवा शक्ति के सर्वांगीण विकास के साथ-साथ मानव समाज के उत्थान एवं कल्याण के लिये प्रतिबद्ध-समर्पित संस्था है। श्रद्धाभाव से कार्यरत, प्रबुद्धचिंतक एवं रचनात्मक शैली के परिचायक आदरणीय राष्ट्रीय अध्यक्ष भाई श्री बी.सी. भलावत के कार्य इतिहास के सवर्णिम पृष्ठों पर अंकित होकर सम्पूर्ण युवा शक्ति के लिए सदैव अनुकरणीय रहेंगे। नित नई उपलब्धियों भरा वर्ष 2015-2017 का यह ऐतिहासिक कार्यकाल अपनी चरम सीमाओं पर है ।

युवा शक्ति के आध्यात्मिक उत्कर्ष की और प्रवत्त 21 सूत्रीय योजनाओं के अंतर्गत घर-घर तेरापंथ टाईम्स, सरगम का सफल आयोजन पूरे भारत वर्ष में ऊर्जा का निर्माण, प्रतिदिन रक्तदान कैम्प, अभिनव सामायिक साधना व सवा करोड़ नवकार जप जैसे उल्लेखनीय एवं उदाहरणीय आदर्शमय कार्यों के द्वारा विश्वपटल पर अभातेयुप का नाम दर्ज कराने हेतु आप बधाई के पात्र है। समस्त युवा शक्ति आपका हार्दिक अभिनंदन करती है।

मुझ पर अनन्य विश्वास करते हुए आपने जिस कर्तव्य के पथ पर मुझे आरूढ़ किया इस हेतु में अभिभूत हूँ और आदरणीय भलावतजी की दूरदर्शिता, प्रबंध कौशलता और स्नेही व दृढ़ परिश्रमी भाई श्री विमल कटारिया की कार्य संपादन में प्रवीणता सदैव ही मेरे लिये प्रेरणा स्रोत का कार्य करेगी। आपके साथ की गई कार्यशालाएँ, यात्राएँ और आपका पूरा कार्यकाल सदैव ही मेरी मधुर स्मृति-मंजुषा में संचित रहेगा। सौहार्द से बीते यह दो वर्ष एवं साथी पदाधिकारीयों से मिला भाईयों जैसा स्नेह मेरे लिए अविस्मरणीय है ।

आचार्यश्री महाश्रमणजी के प्रति अनन्त आस्था एवं कृतज्ञता, आध्यात्मिक पर्यवेक्षक मुनिश्री योगेशकुमारजी के प्रति हार्दिक कृतज्ञ भाव प्रेषित करता हूँ। गुरु शक्ति, भक्ति और इंगित की आराधना करने वाले ऐसे संस्कारवान युवा साथियों के साथ कार्य करने का अवसर मेरे जीवन की धरोहर रहेगा। नये नेतृत्व के प्रति अनंत मंगल भावनाएं संप्रेषित करता हूं कि आप विकास के नये सोपान स्थापित करेंगे और परिषद् को नई बुलंदियों तक ले जायेंगे ।

इसी विश्वास के साथ...मुकेश गुगलिया, उपाध्यक्ष-।।

जीवन के उन महत्वपूर्ण पलों को स्मृतित करना चाहूँगा जो पल मेरे लिए अविस्मरणीय व प्रेरणामय बन गया। पता नहीं अपनी बात कहाँ से प्रारम्भ करूँ एक छोटे से अबोध पर गुरूदृष्टि की कृपा बनी व अभातेयुप राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री बी. सी. जैन ने मुझ पर विश्वास कर अभातेयुप के महत्वपूर्ण दायित्व महामंत्री हेतु मुझे चयनित किया। आज देखते ही देखते बी.सी.जी के सुदृढ़ नेतृत्व में अनेक विकासमय उपलब्धियों से भरा यह कार्यकाल समापन की तरफ है। बहुत कुछ सीखने व समझने का अवसर मुझे इस कार्यकाल में मिला। अपार स्नेह व अपनापन पूरे मंत्रीमंडल व साथियों से मिला। पूज्यवरों व समय-समय पर मुनिश्री दिनेशकुमारजी व मुनिश्री योगेशकुमारजी का पूर्ण आशीर्वाद व मार्गदर्शन का ही प्रतिफल है कि मुझे कार्य करने की ऊर्जा मिली। मेगा ब्लड़ डोनेशन ड्राईव की सफलता ने धर्मसंघ कि प्रभावना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर व विद्यार्थियों हेतु हॉस्टल जैसे महत्वपूर्ण प्रोजक्ट पर कार्य करने व प्रतिपादित करने का मुझे भी सौभाग्य मिला। संगठन यात्रा के दौरान अनेकों चारित्रात्माओं के दर्शन व सान्निध्य से नई ऊर्चा का संचरण हुआ। भूल नहीं सकता उन सभी देश-विदेश के युवा साथियों को जिनका अपनत्व व सहयोग समय-समय पर मुझे मिलता रहा। जो सम्मान व पहचान मुझे इस कार्यकाल में मिली उसे में शब्दों में नहीं पिरो सकता पर इतना जरूर कहना चाहूँगा की श्री चरणों में मुझे ऐसा आशीर्वाद मिले, जिससे मैं नि:स्वार्थ भाव से गुरू दृष्टि की आराधना करते हुए संघ सेवा में योगभूत बना रहूँ।

आपका साथी विमल कटारिया, महामंत्री

श्री बी. सी. जैन की टीम में पदाधिकारी के रूप में जुड़ना अपने आप में सौभाग्य की बात है और मुझ जैसे सामान्य से कार्यकर्ता के लिये ये बहुत बड़ी उपलब्धि है। वैसे तो अभातेयुप से जुड़े हुए काफी वर्ष हो गए लेकिन बी.सी.जी के साथ काम करने का अनुभव कुछ विशेष रहा, मुझे याद है 4 अक्टूबर 2015 का वो दिन विराटनगर में पूज्य प्रवर की सन्निधि में शपथ का वो महनीय दृश्य, उसके बाद प्रबंध मंडल की एक अनौपचारिक बैठक और उस बैठक में बी सी जी ने 1 मंत्र दिया जिसका नाम था सौहार्द और मैं निश्चित रूप से कह सकता हूं कि इस कार्यकाल की ऐतिहासिक सफलता का कोई कारण रहा तो वो था टीम का आपसी सौहार्द। इस मंत्र ने हमें हर पल जागरूकता, सहनशीलता और धुरता के साथ कार्य करने हेतु प्रेरित किया और ये मंत्र हमारे जीवन विकास का सेतु बन गया।

बी.सी.जी के साथ रहकर काफी कुछ सीखने को मिला। प्रमोद भावना का यदि उदहारण प्रस्तुत करना हो तो आपका नाम लिया जा सकता है, इसका एक उदाहरण में बताना चाहूंगा हम जब कभी उनके साथ होते और पूज्यप्रवर के दर्शन करते हर बार हमें आगे बुलाकर गुरुदेव के समक्ष हमारा परिचय कराते हुवे

हमारी प्रसंशा करना और तो और कोई भी व्यक्ति राह चलते सर से मिलता तो सबसे पहले उनसे हमारा परिचय कराना नहीं भूलते, हमने कभी भी सर को कोई बात के लिए आग्रह किया तो हमेशा उस बात को सकारात्मक रूप में प्रश्रय देते।

आध्यात्मिक पर्यवेक्षक मुनि श्री योगेशकुमारजी को इन पर इतना विश्वास की बी.सी.जी ने यदि कोई भी आग्रह कर दिया तो तत्काल प्रभाव से अपनी सहमति प्रदान करते। गर्व का अहसास होता ऐसे राष्ट्रीय अध्यक्ष को पाकर। मुझे आगे लाने में आपका इतना योगदान रहा कि जब मैंने अहिंसा यात्रा में गुरुदेव के साथ 78 दिन की सेवा की तो मुझे केंद्र के अध्यक्ष के रूप में सभी साथियों के बीच प्रस्तुत करते।

साथियों सत्र 2015-17 का कार्यकाल ऐतिहासिक रहा या नही ये तो आप अपने अन्तर मन से पूछिए, लेकिन मैं तो इस कार्यकाल के लिए इतना ही कह सकता हूं कि ये कार्यकाल, ये साथ, मेरे जीवन की अमूल्य धरोहर बन गया है, बी.सी.जी जैसे हंसमुख सौम्यता वाले अध्यक्ष, विमलजी जैसे प्राणवान-ऊर्जावान महामंत्री, राजेश जी, मुकेशजी जैसे परिपक्व उपाध्यक्ष, सुभाषजी जैसे धैर्यवान सहमंत्री, नवीन जी जैसे समझदार कोषाध्यक्ष और योगेशजी जैसे शान्त सरल संगठन मंत्री के साथ की यात्रा का सुखद अनुभव मेरे दिल की गहराइयों तक अपने अमिट निशान बना चुके हैं, पूरी वर्किंग कमेटी के साथियों का प्यार, स्नेह व सम्मान मुझे हमेशा हर्ष विभोर करता रहेगा। आने वाले नेतृत्व से विनम्रतापूर्वक यही आग्रह करना चाहता हूं कि बी.सी.जी के इस सौहार्द रूपी मंत्र को अपनाते हुए आगे बढ़े सफलता निश्चित आपके चरण को चूमेगी। इन्ही शुभ भावो के साथ...

आपका युवा साथी पंकज डागा, सहमंत्री-।

अखिल भारतीय तेरापन्थ युवक परिषद् जो सेवा, संस्कार और संगठन जैसे त्रिआयामी लक्ष्यों के साथ समाज और देश से जोड़ने का काम करती है। यह एक ऐसा संगठन है जिसमें युवाओं को शारीरिक, मानसिक, आर्थिक, शैक्षणिक और आध्यात्मिक रूप से तैयार किया जाता है। इस संस्था से किसी भी रूप में जुड़ना अपने आप में एक सात्विक गौरव की बात होती है लेकिन मुझे तो परमपूज्य गुरुदेव के आशीर्वाद और आध्यात्मिक पर्यवेक्षक मुनिश्री योगेशकुमारजी के स्नेहिल विश्वास से एक महत्वपूर्ण दायित्व सहमंत्री का मिला और साथ ही मार्गदर्शन मिला बड़े भ्राता श्री बी. सी. भलावत का जिन्होंने मेरे उत्साह को हमेशा शतगुणित किया। श्री राजेश जमड़, श्री मुकेश गुगलिया, श्री विमल कटारिया, श्री पंकज डागा, श्री नवीन वागरेचा, श्री योगेश चौधरी और पूरी अभातेयुप टीम के साथ सभी शाखा परिषदों के सदस्यों द्वारा जो स्नेहिल सम्मान मिला, वह अभातेयुप संगठन से ही संभव हुआ। इस संगठन से मुझे इतनी ऊर्जा प्राप्त हो चुकी है कि मेरे मनोबल से हमेशा युवकत्व बरकरार रहेगा।

मैं इस संगठन के नेतृत्व के प्रति पुनः अपना आभार व्यक्त करता हूँ जो गुरु इंगित को अपना लक्ष्य बनाकर सदैव Man Power, Money Power & Management Power से संगठन और संघ को विकास की नई ऊंचाइयां प्रदान करते रहते है। सादर नमन।

आपका अपना सुभाष सिंघी, सहमंत्री-।।

अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् के पिछले करीब 10 वर्ष का एक लम्बा सफर कई उतार-चढ़ाव के साथ सत्र 2015-17 में एक पदाधिकारी के रूप में एक राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष के रूप में समाप्त होने जा रहा है। आज मैं अतीत को देखता हूँ तो एक सुखद अनुभूति, एक सुखद अहसास होता है। एक ऐसा साधारण कार्यकर्ता जिसकी तेरापंथ धर्मसंघ में न ही कोई पृष्ठभूमि रही न ही काई मार्गदर्शक रहा, भीलवाड़ा जैसी परिषद् के मंत्री के रूप में 2004 में अपना सफर शुरू किया। आमजन में एक पहचान बनाने की कोशिश की। मंत्री से लेकर परिषद् के अध्यक्ष, अभातेयुप के क्षेत्रीय सहयोगी, किशोर मंडल सह-प्रभारी, किशोर मंडल प्रभारी एवं आज राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष के रूप में अपनी इस यात्रा में आभारी हूँ उन सभी महानुभावों, समाजजन का जिन्होंने प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से मेरा सहयोग किया, मुझे मार्गदर्शन एवं आशीर्वाद प्रदान किया।

विशेष रूप से इस यात्रा में सहयोगी बने सभी पूर्व अध्यक्ष, महामंत्री, प्रभारीगण एवं वर्तमान अध्यक्ष श्री बी. सी. भलावत, महामंत्री श्री विमल कटारिया एवं समस्त पदाधिकारीगण जिनका सहयोग एवं भरपूर स्नेह से यह सफर इस मुकाम तक पहुंच पाया है।

पूज्यप्रवर की अनुकम्पा, मुनिश्री दिनेशकुमारजी, आध्यात्मिक पर्यवेक्षक मुनिश्री योगेशकुमारजी, साध्वीश्री सोमलताजी एवं समस्त चारित्रात्माओं का स्नेहिल आशीर्वाद पूर्ववत मिलता रहेगा, ऐसी आशा करता हूँ।

इस सफर में मेरे स्व. पिता श्री नारायणसिंहजी एवं मातुश्री श्रीमती शान्तादेवी वागरेचा का वृहदहस्थ एवं आशीर्वाद सदा मुझे नई राह दिखाता रहा है। मेरी जीवन संगिनी श्रीमती मीनल, सुपुत्र प्रखर एवं सुपुत्री सेजल सदैव मुझे सक्रिय कार्य करने में मेरा सहयोग करते रहे हैं। मैं अनके प्रति एवं परिवार के सभी के प्रति हृदय से आभारी हूँ।

आप सभी का आशीर्वाद एवं स्नेह इसी तरह बना रहे यही मंगल भावना है, यही मंगल कामना है।

आपका साथी नवीन वागरेचा, कोषाध्यक्ष

तेरापंथ धर्मसंघ की गौरवशाली संस्था अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् का सत्र 2015 -2017 का कार्यकाल बी. सी. भलावतजी के कुशल नेतृत्व में कई कीर्तिमान व उपलब्धियों के साथ संपन्न हो रहा है। भलावतजी ने अपनी चिंतनशीलता, विचारशीलता, दूरदर्शिता, विनम्रता, शांत व सौम्य व्यवहार से 40000 युवाओं के दिलों पर राज किया। अपनी विशेष कार्यशैली व अनुभव से अभातेयुप की गतिविधियों को नई दिशा दी। इस कार्यकाल की विशेष उपलब्धि रही पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं के बीच पारस्परिक सौहार्द एवं सामंजस्य।

यह मेरा सौभाग्य है कि भलावतजी ने मुझ पर विश्वास करते हुए संगठन मंत्री जैसे महत्वपूर्ण पद पर कार्य करने का अवसर दिया और साथ ही धर्मसंघ के प्रत्येक परिवार में तेरापंथ टाइम्स पहुँचाने जैसी महत्वपूर्ण ज़िम्मेदारी दी। यह दो वर्ष मेरे लिये स्वर्णिम रहे, हर दिन कुछ नया सीखने का अवसर मिला, युवा साथियों का सहयोग मिला, सभी पदाधिकारियों से भाईयों ज़ैसा स्नेह व वात्सल्य मिला।

परम पूज्य गुरुदेव का विशेष आशीर्वाद मिला। मुनि श्री दिनेश कुमारजी व आध्यात्मिक पर्यवेक्षक मुनि श्री योगेशकुमारजी का विशेष मार्गदर्शन मिला। आप श्री के प्रति अनंत-अनंत कृतज्ञता ।

आपका युवा साथी योगेश चौधरी, संगठन मंत्री

# संगठन यात्रा

| दिनांक | स्थान | सान्निध्य | सहयोगी |
|---|---|---|---|
| **श्री बी. सी. जैन (भलावत)** | | | |
| 02.08.2017 | कांदिवली | साध्वीश्री अणिमाश्रीजी, साध्वीश्री डॉ मंगलप्रज्ञाजी तेरापंथ महिला मंडल अधिवेश, मुम्बई | श्री राजेन्द्र मूथा |
| 06.08.2017 | ठाणे | मुनिश्री प्रो. महेन्द्रकुमारजी आदि ठाणा व्यक्तित्व विकास कार्यशाला ''उत्कर्ष'' | श्री योगेश चौधरी, श्री जयन्ती बरलोटा, श्री संदीप कोठारी, श्री महेश बाफना, श्री विनोद सिंघवी, श्री भूपेश कोठारी, श्री गौतम कोठारी एवं श्री विमल गादिया |
| 06.08.2017 | मुम्बई | ज्ञानशाला कार्यक्रम | श्री किशनलाल डागलिया एवं मुम्बई अभातेयुप टीम |
| 13.08.2017 | भीलवाड़ा | शासनश्री साध्वीश्री कमलप्रभाजी आदि ठाणा आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर शुभारम्भ | श्री मुकेश गुगलिया, श्री नवीन वागरेचा, श्री गोपाल लूणावत, श्री संदीप कोठारी, श्री रमेश सोनी, श्री लक्की कोठारी, श्री प्रवीण ओस्तवाल, श्री अशोक हिंगड़, श्री संदीप हिंगड़, श्री अशोक चोरड़िया, श्री अभिषेक पोखरना, श्री संजय बोरदिया, श्री प्रवीण नौलखा एवं श्री सुनील दक |
| 19.08.2017 | कांदिवली | साध्वीश्री अणिमाश्रीजी, साध्वीश्री डॉ मंगलप्रज्ञाजी पयुर्षण पर्व शुभारम्भ | श्री योगेश चौधरी, श्री राजेन्द्र मूथा एवं श्री ललित गुंदेचा, |
| 20.08.2017 | घाटकोपर | साध्वीश्री निर्वाणश्रीजी आदि ठाणा | श्री योगेश चौधरी |
| 21.08.2017 | ठाणे | मुनिश्री प्रो. महेन्द्रकुमारजी आदि ठाणा अभिनव सामायिक | श्री योगेश चौधरी, श्री जयन्ती बरलोटा एवं श्री विमल गादिया |
| 23.08.2017 | भायन्दर | शासनश्री साध्वीश्री पदमावतीजी आदि ठाणा संगठन यात्रा | श्री योगेश चौधरी एवं श्री समकित पारिख |
| 24.08.2017 | कांदिवली | साध्वीश्री अणिमाश्रीजी, साध्वीश्री डॉ मंगलप्रज्ञाजी नवकार मंत्र जप | श्री योगेश चौधरी, श्री किशन डागलिया, श्री राजेन्द्र मूथा, श्री ललित गुंदेचा, श्री संजय बोथरा एवं श्री भूपेश कोठारी |
| 27.08.2017 | कांदिवली | साध्वीश्री अणिमाश्रीजी, साध्वीश्री डॉ मंगलप्रज्ञाजी सामूहिक क्षमापना कार्यक्रम | श्री योगेश चौधरी एवं श्री राजेन्द्र मूथा |
| 27.08.2017 | भायन्दर | शासनश्री साध्वीश्री पदमावतीजी आदि ठाणा | श्री योगेश चौधरी |
| 27.08.2017 | ठाणे | मुनिश्री प्रो. महेन्द्रकुमारजी आदि ठाणा | श्री योगेश चौधरी |
| 27.08.2017 | घाटकोपर | साध्वीश्री निर्वाणश्रीजी आदि ठाणा | श्री योगेश चौधरी, श्री अनिज चिंडालिया एवं श्री मिश्रीमल नंगावत |
| 29.08.2017 | कोलकाता | परमपूज्य आचार्यप्रवर कल्याण परिषद् बैठक | श्री विमल कटारिया |
| 30.08.2017 | कोलकाता | परमपूज्य आचार्यप्रवर अभातेयुप अलंकरण घोषणा | श्री राजेश जमड़, श्री विमल कटारिया, श्री नवीन बैंगानी एवं श्री अमित सेठिया |
| **श्री विमल कटारिया (महामंत्री)** | | | |
| 02.08.2017 | हिरीयूर | साध्वीश्री लब्धिश्रीजी आदि ठाणा संगठन यात्रा | श्री राजेश चावत, श्री पवन मांडोत एवं श्री संजय पितलीया |
| 15.08.2017 | मैसूर | संगठन यात्रा | श्री राजेश छाजेड़ |
| **श्री राकेश पोरवाल(कार्यसमिति सदस्य)** | | | |
| 15.08.2017 | केसिंगा | संगठन यात्रा | श्री कमल बैंगाणी |
| **श्री देवेन्द्र डागा (क्षेत्रीय सहयोगी)** | | | |
| 15.08.2017 | मानसा, भीखी, कालांवली | संगठन यात्रा | श्री दीपक पुगलिया |
| 16.08.2017 | भट्टू, आदमपुर, फतेहाबाद | संगठन यात्रा | श्री दीपक पुगलिया |
| 17.08.2017 | भूना, उकलाना, टोहाना, जाखल | संगठन यात्रा | श्री दीपक पुगलिया |
| 19.08.2017 | शिवानी, तोषाम | संगठन यात्रा | श्री दीपक पुगलिया |

## अभातेयुप समाचार

व्यक्तित्व विकास कार्यशाला ''उत्कर्ष-परिवार का''-ठाणे

## आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर

आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर शुभारम्भ-भीलवाड़ा

आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक कलेक्शन सेंटर शुभारम्भ-नालासोपारा

## जैन संस्कार विधि के बढ़ते चरण

नामकरण-पूर्वांचल

नामकरण-गुवाहाटी

नामकरण-विजयनगर

नामकरण-राजसमन्द

नव प्रतिष्ठान-गुवाहाटी

नव प्रतिष्ठान-विजयनगर

शुभ विवाह-कोलकाता

सामूहिक जन्मोत्सव-चेन्नई

# अभिनव सामायिक

# नवकार मंत्र जप

# जैन विद्या कार्यशाला-2017

**B.C. JAIN (BHALAWAT)**
(President)
**Sunrise Housing Constructions Ltd.**
Sunbeam Chambers, Ground Floor
New Marine Lines, Opp. Liberty Cinema
Mumbai - 400020 (Maharashtra)
Tel.: 022-22096000, 22096001
Fax : 022-22095000, M.: 09821117813
e-mail : cabcjain@gmail.com

**VIMAL KATARIA**
(General Secretary)
**Vaishnodevi Lush Greens Pvt. Ltd.**
#459, 4th Floor, 12th Main, M. C. Layout
Near Vijayanagar Post Office
Vijayanagar, Bangalore - 560040 (Karnataka)
Tel.: 080-23301999, 23146429
M.: 09620799999
e-mail : abtypsecretary@gmail.com

**Registered Office :** 'Yuva Lok', P.B. No. 16, Ladnun - 341 306. (Rajasthan). Ph.: 01581 - 226114 E-mail : abtyp.ladnun@yahoo.in
**Administrative Office :** 'Anuvrat Bhavan', 210 Deendayal Upadhyay Marg, 3rd Floor, New Delhi - 110 002. Ph.: 011 - 23210593
**Society Registration 588/83-84 dt. 30/03/1984. NGO Unique ID DL/2012/0048117** **visit us : www.abtyp.com**